



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण.  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 23, 2007/फाल्गुन 4, 1928

No. 49]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 23, 2007/PHALGUNA 4, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

प्रारंभिक जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2007

**विषय :—चीन जन. गण., इंडोनेशिया एवं चीनी ताइपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मेलिक एनहाइड्राइड के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत ।**

**सं. 14/3/2007-डीजीएडी.—** मै0 तिरुमलाई केमिकल्स लि0 रानीपेट, तमिलनाडु ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका प्रस्तुत की है जिसमें उन्होंने चीन जन. गण., इंडोनेशिया तथा चीनी ताइपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मेलिक एनहाइड्राइड (एमएएन) के पाटन का आरोप लगाया है तथा पाटनरोधी जांच शुरू करने एवं पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है ।

## 1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद मेलिक एनहाइड्राइड, (एमएएन) है (जिसे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) । संबद्ध वस्तु एक कार्बनिक एसिड एनहाइड्राइड (सी<sub>2</sub> एच<sub>4</sub> ओ<sub>3</sub>), जो सामान्यतः तकिए के आकार के ब्रिकेट स्वरूप अथवा पिघले हुए स्वरूप में उपलब्ध हैं । इस जांच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में इन दोनों स्वरूपों को शामिल किया गया है । एमएएन का उपयोग असंतृप्त रेजिन्स, एल्किड रेजिन्स, पेपर साइजिंग केमिकल्स, कीटनाशकों तथा परिष्कृत रसायनों जैसे व्यापक प्रकार के उत्पादों के विनिर्माण में किया जाता है । संबद्ध वस्तुओं को आईटीसी (एचएस) उपशीर्ष 29171400 के तहत वर्गीकृत किया गया है । तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है ।

## 2. घरेलू उद्योग की स्थिति

भारत में मेलिक एनहाइड्राइड के दो उत्पादक हैं - अर्थात् तिरुमलाई केमिकल्स लि० तथा मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि० । यह याचिका मै० तिरुमलाई केमिकल्स लि० रानीपेट, तमिलनाडु द्वारा दायर की गई है । याचिकाकर्ता कम्पनी के उत्पादन का हिस्सा कुल भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक है ।

उपर्युक्त जांच के पश्चात् प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि 2 (घ) के साथ पठित नियम 2 (ख) के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग है तथा आवेदन उपर्युक्त नियमावली के नियम -5 के अनुसार मानदण्डों को पूरा करता है ।

## 3. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन. गण., इंडोनेशिया तथा चीनी ताइपेई हैं (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा जाएगा) ।

## 4. समान वस्तु

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु, संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है । याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तु में कोई विशेष अंतर नहीं है । याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि ये दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है । याचिकाकर्ता ने आईबीआईएस (अंतरराष्ट्रीय व्यापार आसूचना प्रणाली) द्वारा यथासंकलित आयात संबंधी सौदेवार सूचना प्रस्तुत की है और यह दावा किया है कि संबद्ध वस्तु तथा याचिकाकर्ता कम्पनी द्वारा उत्पादित एवं आपूर्ति वस्तु को एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल किया जा रहा है । वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ, याचिकाकर्ता कम्पनी द्वारा उत्पादित वस्तु को उपर्युक्त नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देश से आयातित उत्पाद के समान वस्तु माना जा रहा है ।

## 5. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है । याचिकाकर्ता ने चीनी ताइपेई को उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश मानते हुए चीनी ताइपेई में बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक उपरी खर्चों (एसजीए) तथा उचित लाभ को शामिल करते हुए उत्पादन लागत पर विचार करके चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है ।

नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार, चीन जन. गण. के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ चीनी ताइपेई को एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में चुनने की परिकल्पना की गई है । हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा, इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर इस चयन के औचित्य के संबंध में अपनी टिप्पणियां देने के लिए आमंत्रित किया जाता है । अन्य संबद्ध देशों के संबंध में याचिकाकर्ता ने बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक उपरी खर्चों तथा संबद्ध देशों के लिए उचित लाभ को शामिल करते हुए उत्पादन की परिकलित लागत पर विचार करते हुए इंडोनेशिया एवं चीनी ताइपेई में संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्यों का दावा किया है । संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के लिए दावा किए गए सामान्य मूल्य के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं ।

## 6. निर्यात कीमत

याचिकाकर्ता ने आईबीआईएस द्वारा प्रस्तुत सौदेवार आयात आंकड़ों के आधार पर प्रस्तावित अवधि में भारित औसत आयात कीमत के रूप में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत का दावा किया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, निर्यात के देश में अंतरराष्ट्रीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों के आधार पर समायोजनों का दावा किया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं।

## 7. पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर की गई है जिससे प्रत्येक संबद्ध देश के संबंध में पर्याप्त पाटन मार्जिन प्रदर्शित होता है। यह माना जाता है कि इस बात के प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

## 8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति से संबंधित विभिन्न मानदण्डों के बारे में सूचना उपलब्ध कराई है। संबद्ध देशों से आयातों की समग्र मात्रा में वृद्धि कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट, लाभ में अत्यधिक गिरावट, निवेश पर आय तथा क्षमता उपयोग, कीमत कटौती तथा कीमत ह्रास जैसे मानदण्डों से प्रथम दृष्टया सामूहिक एवं संचयी रूप से यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

## 9. पाटनरोधी जांच का आरंभ

उपरोक्त पैराग्राफों को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी, संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच आरंभ करते हैं।

## 10. जांच की अवधि (पीओआई)

वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अक्टूबर, 2005 से 30 सितम्बर, 2006 (12 महीने) की है। तथापि, क्षति जांच की अवधि में 1 अप्रैल, 2003 से जांच अवधि के अंत तक की अवधि शामिल है।

## 11. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देशों के निर्यातकों तथा भारत में इस जांच से संबंधित ज्ञात आयातकों को संगत सूचना निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से प्रस्तुत करने और अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नलिखित पते पर अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है।

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय,  
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,  
वाणिज्य विभाग,  
भारत सरकार,  
कमरा सं. 240  
उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011

उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी जांचाधीन वस्तु के औद्योगिक प्रयोक्ताओं को तथा प्रतिनिधिक उपभोक्ता संगठनों, जो पाटन, क्षति एवं कारणात्मकता संबंधी जांच से संगत सूचना उपलब्ध करा सकते हैं, को भी अवसर प्रदान कर रहे हैं। अन्य कोई हितबद्ध पक्षकार भी नीचे दी गई समय-सीमा के भीतर जांच से संगत सूचना प्रस्तुत कर सकता है।

## 12. समय सीमा

### (क) सामान्य समय सीमा

वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर सूचना देनी होगी। यह नोट किया जा सकता है कि निर्धारित समय सीमा में विस्तार के विषय में किसी प्रकार के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

### (ख) बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के चयन हेतु विनिर्दिष्ट समय सीमा

जांच में शामिल हितबद्ध पक्षकार चीनी ताइपेई के चयन के औचित्य पर अपनी टिप्पणियां दे सकते हैं, जिसे प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचना के पैरा-5 में यथा उल्लिखित चीन जन.गण. के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में परिकल्पित किया गया है। ये टिप्पणियां इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत की जा सकती हैं।

## 13. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी एक सार्वजनिक फाइल रखते हैं। कोई हितबद्ध पक्षकार, दूसरे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

**14. असहयोग**

यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

**INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 23rd February, 2007

**Subject :—** Initiation of Anti-dumping Investigations concerning import of Maleic Anhydride (MAN) originating in or exported from China PR, Indonesia and Chinese Taipei.

No. 14/3/2007-DGAD.— M/s Thirumalai Chemicals Ltd. Ranipet, Tamil Nadu has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 alleging dumping of Maleic Anhydride (MAN) originating in or exported from China PR, Indonesia and Chinese Taipei and have requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

**1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

The product under consideration in the present investigation is Maleic Anhydride (MAN) (also referred to as subject goods). The subject goods is an organic acid anhydride ( $C_2H_4O_3$ ), generally available in pillow shaped briquette form or in molten form. Both the forms are included within the scope of product under consideration in this investigation. MAN is used in the manufacture of wide range of products like unsaturated polyester resins, alkyd resins, paper sizing chemicals, insecticides and fine chemicals. The subject goods is classified under ITC (HS) subheading 29171400. However, the Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

**2. DOMESTIC INDUSTRY STANDING**

There are two producers of Maleic Anhydride in India i.e. Thirumalai Chemicals Ltd. and M/s. Mysore Petrochemicals Ltd. The petition has been filed by M/s Thirumalai Chemicals Ltd. Ranipet, Tamil Nadu. The

611 61787-2

production of the applicant company constitutes more than 50 % of total Indian production.

The Authority after examining the above, determines that the petitioner constitutes domestic Industry within the meaning of the rule 2(b) read with 2(d) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

### 3. COUNTRIES INVOLVED

The countries involved in the present investigation are China PR, Indonesia and Chinese Taipei (hereinafter also referred to as subject countries).

### 4. LIKE GOODS

The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from subject countries. There is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner and those exported from subject countries. Petitioner claims that the two are technically and commercially substitutable. Petitioner has provided transaction wise information on imports as compiled by IBIS (International Business Information System) and has claimed that the subject goods and goods produced and supplied by the petitioner company are being interchangeably used. For the purpose of present investigation, the goods produced by the petitioner company is being treated as Like Articles to the product imported from the subject countries within the meaning of the Rules supra.

### 5. NORMAL VALUE

The petitioner has claimed that China PR should be treated as non-market economy and has determined normal value in accordance with Para 7 and 8 of Annexure I of the Anti-Dumping Rules. The petitioner has determined the normal value for China PR considering costs of production including selling, general and administrative overheads (SGA) and reasonable profit in Chinese Taipei treating Chinese Taipei as appropriate market economy third country.

In accordance with Para 7 to Annexure-I of the Rules, it is envisaged to choose Chinese Taipei as an appropriate market economy third country for the purpose of establishing normal value in respect of the People's Republic of China. Interested parties are hereby invited to comment on the appropriateness of this choice within the specific time limit laid down in this notification. With regard to other subject countries, petitioner has claimed normal values for the subject goods in Indonesia and Chinese

Taipei considering constructed cost of production including selling, general and administrative overheads and reasonable profit for subject countries. There is sufficient evidence of the Normal value claimed for the subject goods from subject countries

6. EXPORT PRICE

The petitioner has claimed export price of the subject goods from the subject countries as the weighted average import price in the proposed period, based on transaction wise import data provided by the IBIS. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance and inland transportation in the country of exports, port handling and port charges to arrive at ex-factory export price. There is sufficient evidence of the export price for the subject goods from the subject countries.

7. DUMPING MARGIN

Normal value and export price have been compared at ex-factory level, which shows significant dumping margin in respect of each of the subject countries. It is considered that there is, prima facie, evidence that the normal value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from the subject countries.

8. INJURY AND CAUSAL LINK

The Petitioner has furnished information on various parameters relating to material injury to the domestic industry. Parameters such as increase in the absolute volume of imports from the subject countries, increase in the market share of imports from the subject countries in total imports, significant decline in the market share of the domestic industry, significant deterioration in profits, return on investment and capacity utilisation, price undercutting and price suppression, prima facie, indicate collectively and cumulatively that the domestic industry has suffered material injury on account of dumping of subject goods from subject countries.

9. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

10. PERIOD OF INVESTIGATION (POI)

The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1<sup>st</sup> October 2005 to 30<sup>th</sup> September 2006 (12 months). However, the period for injury examination would cover periods from 1<sup>st</sup> April 2003 to the end of the POL.

#### 11. SUBMISSION OF INFORMATION

The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned with this investigation are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address

Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties,  
Ministry of Commerce & Industry,  
Department of Commerce,  
Government of India,  
Room No. 240,  
Udyog Bhavan, New Delhi – 1100 11.

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation, and to representative consumer organizations who can furnish information which is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

#### 12. TIME LIMIT

##### a) General Time Limits

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

##### b) Specific time limit for selection of market economy country



Interested parties to the investigation may wish to comment on the appropriateness of the Chinese Taipei which, as mentioned in the Para 5 of this initiation notification, is envisaged as a market economy third country for the purpose of establishing normal value in respect of the China PR. These comments must be submitted within two weeks from the date of publication of this notification.

### 13. INSPECTION OF PUBLIC FILE

In terms of Rule 6(7), Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

### 14. NON COOPERATION

In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record findings on the basis of facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority

611 4707-3